

# भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजीकृत) चेन्नई

ज्योतिष विशारद परीक्षा : दिसम्बर 2012

## प्रश्न पत्र-VI

समय : 3 घन्टे

कुल अंक : 50

नोट :- कुल पांच प्रश्नों का उत्तर दें। प्रश्न 1 एवं 6 अनिवार्य हैं। प्रत्येक भाग से कम से कम एक और प्रश्न का उत्तर देते हुए शेष तीन प्रश्नों का उत्तर दें। सब प्रश्नों का अंक समान है।

### भाग-I (फलादेश की मिश्रित एवं उच्च तकनीक)

- नीचे दी गई कुण्डली का अध्ययन करके निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर दीजिए:  
क) जातक का व्यवसाय  
ख) क्या माता/पिता और जातक का व्यवसाय समान है?  
महिल: जन्मतिथि 10.10.1954 समय: 11 बजे सुबह, जन्म स्थान : चेन्नई,  
बृहस्पति की जन्म के समय भोग्य दशा : 9 वर्ष 6 महीने 14 दिन  
लग्न:धनु 02-27, सूर्य:कन्या 23-09, चन्द्रमा:कुम्भ 25-23, मंगल:धनु 29-41,  
बुध:तुला 18-05, बृहस्पति:कर्क 04-28, शुक्र:वृश्चिक 02-39, शनि:तुला  
15-48, राहु:धनु 16-23, केतु:मिथुन 16-23
- कृपया निम्न विषयों पर पाँच-पाँच ज्योतिषीय योग बताईये:  
अ. उच्च शिक्षा, आ. भू-संपत्ति, इ. सफल वैवाहिक जीवन
- नीचे दी गई कुण्डली के अनुसार चतुर्विंशति कुण्डली बनाए एवं जातक की शैक्षिक प्रगति की विवेचना करें -  
जन्मतिथि: 23.10.1973, समय: सुबह 4.30 बजे, जन्म स्थान : दिल्ली, सूर्य  
की जन्म के समय भोग्यदशा: 5 वर्ष 8महीने, 23 दिन  
लग्न:कन्या 09-31, सूर्य:तुला 05-54, चन्द्रमा:सिंह 27-17, मंगल(व):मेष  
08-48, बुध:तुला 29-56, बृहस्पति:मकर 09-45, शुक्र:वृश्चिक 21-44,  
शनि:मिथुन 11-13, राहु:धनु 07-11, केतु:मिथुन 07-11
- निम्न के लिए दशाश कुण्डली बनाइये और बताए कि जातक अपने व्यवसाय में सफल होगा कि नहीं? क्या वो व्यापार में है अथवा नौकरी करता है?  
जन्मतिथि : 12.03.1947 समय : 09.51 घंटे जन्म स्थान 42°19' एवं 83  
पं. 2सूर्य की शनि के समय भोग्य दशा : 17 वर्ष 4 महीने 9 दिन, पुरुष  
लग्न:वृष 07-54 सूर्य:कुम्भ 28-05, चन्द्रमा:वृश्चिक 04-29, मंगल:कुम्भ 13-08  
बुध(व):कुम्भ 20-48, बृहस्पति:वृश्चिक 04-26, शुक्र:मकर 15-26, शनि(व):कर्क  
9-16, राहु:वृष 12-22, केतु:वृश्चिक 12-22
- प्रश्न संख्या 1 में दी गई कुण्डली के सन्दर्भ में विवाहित जीवन पर प्रकाश डालें।

### भाग-II (ज्योतिषीय मौसम एवं मेदनीय ज्योतिष)

- वर्षश चुनने के नियम समझाए। सूर्य, चन्द्रमा, मंगल और बृहस्पति के वर्षश होने के क्या फल होते हैं।
- सप्तनाडी चक्र क्या है? मेदिनीय ज्योतिष में इसकी उपयोगिता समझाए।
- संक्षिप्त में टिप्पणी करें :  
अ. मेदिनीय ज्योतिष में चतुर्थ भाव के कारकत्व  
आ. हर वर्ष 23 जून के आस पास सूर्य की मिथुन राशि में प्रवेश होने का महत्व  
इ. दशम भाव में ग्रहण के कारण होने वाले परिणाम
- भूकंप के लिए दिए गए ज्योतिष योगों पर चर्चा करें।
- नीचे दिए गए ग्रहों की संधि का मेदिनीय ज्योतिष के अनुसार क्या प्रभाव होते हैं:  
अ. शनि और बृहस्पति, आ. मंगल और शनि, इ. शनि और यूरेनस